NEWSLETTER

शनिवार, 21 अक्टूबर 2023 | वॉल्यूम - 68

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

ब्राजील अमेरिकी कपास बाजार के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है

GOLD : 60725
SILVER : 72915
CRUDE OIL : 7357

अच्छी गुणवत्ता होने से कॉटन की मांग, खपत, निर्यात, उपयोगिता पर कीमतों पर सीधा असर।

उपरोक्त विषय पर शिक्षित और अनुभवी प्रख्यात जिनर श्री रोहित सोनी जी से बातचीत के दौरान कॉटन इंडस्ट्रीज के कई पहलूओ पर चर्चा की। रोहित जी कई वर्षो से जिनिंग फैक्ट्री का संचालन कर रहे हे। महाराष्ट्र में गेवराई में दो यूनिट , सेलु और गंगाखेड़ में एक-एक यूनिट है .उनके जिनिंग की रुई साउथ और नॉर्थ की मिलो को सप्लाई होती है और निर्यात भी होती है.

आगे बताया की अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानव निर्मित फाइबर की माँग बढती जा रही है, जिसके कारण नेचुरल फाइबर (कपास) की मांग कम हो रही है । मानव निर्मित फ़ाइबर कम लागत और जादा आयु के कारण मांग बढ़ रही है ।आने वाले समय में ये नेचुरल फाइबर का चलन बढ़ाने के लिए कोशिश करनी चाहिए। दूसरे देशो में ब्राज़ीलियन कॉटन , ऑस्ट्रलियन कॉटन और पश्चिमी अफ्रीकी कॉटन की डिमांड अच्छी है क्योकि वह कपास कंटामिनेशन-नियंत्रित होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में अपनी जगह बनाये रखने के लिए कंटामिनेशन-नियंत्रित कपास पर ध्यान देना होगा।

निर्यात प्रक्रिया का समय कम होने से, पड़ोसी मुल्कों से भारतीय कपास की मांग है। प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बढ़ाने हेतु कॉटन क़्वालिटी पर विशेष ध्यान देना जरुरी है। भारतीय रूई जदया गुणवत्तापूर्ण है परंतु जादा कंटामिनेशन होने से धागा निर्माताओं को उत्पादन में लागत वृद्धी होती है ।

कंटामिनेशन-नियंत्रित कपास से तात्पर्य उस कपास से है जो अशुद्धियों, विदेशी पदार्थों, बाल,धागा, पाउच,प्लॅस्टिक और अन्य प्रदूषकों से मुक्त है, जो पर्यावरण और उपभोक्ताओं दोनों के लिए कई लाभ प्रदान करता है। यहां कुछ प्रमुख लाभ दिए गए हैं:

बेहतर गुणवत्ता: कंटामिनेशन-नियंत्रित कपास की गुणवत्ता अधिक होती है क्योंकि यह पत्तियों, तनों और अन्य मलबे जैसे विदेशी पदार्थों से मुक्त होता है। इसके परिणामस्वरूप नरम, अधिक आरामदायक और अधिक टिकाऊ वस्त्र प्राप्त होते हैं।

उपभोक्ताओं के लिए स्वास्थ्यप्रद: कंटामिनेशन-नियंत्रित कपास से परिधान उच्च गुणवत्ता के होते है.

प्रारंभीक चरण से ही कंटामिनेशन: नियंत्रित करणे से आगे की पुरी टेक्सटाइल चैन मे सभी हितधारको को फायदा होगा. जिससे यह उपभोक्ताओं, विशेषकर संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित और अधिक आरामदायक विकल्प बन जाता है।

किसानों और श्रमिकों के लिए बेहतर: कंटामिनेशन को कम करने का मतलब है कि कपास की कटाई कम अशुद्धियों के साथ की जा सकती है, जिससे खेत श्रमिकों के लिए यह आसान और अधिक कुशल हो जाता है।

उत्पाद की दीर्घायु में वृद्धि: कम अशुद्धियों के साथ उच्च गुणवत्ता वाले कपास में बेहतर स्थायित्व और लंबी उम्र होती है, जिससे बार-बार प्रतिस्थापन की आवश्यकता कम हो जाती है और अंततः अपशिष्ट में कमी आती है।

आर्थिक लाभ: उच्च गुणवत्ता वाले कपास की बाजार में अक्सर ऊंची कीमतें हो सकती हैं, जिससे कपास किसानों और निर्माताओं दोनों को लाभ होता है।

श्री रोहित सोनी (जिनर)
प्रसाद कॉटन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
गेवराई, बीड, महाराष्ट्र

उपभोक्ता संतुष्टि: कंटामिनेशन-नियंत्रित कपास उत्पाद आमतौर पर उपभोक्ताओं द्वारा उनके आराम, गुणवत्ता और सुरक्षा के कारण पसंद किए जाते हैं।कंटामिनेशन-नियंत्रित कपास प्राप्त करने के लिए, कपास किसानों के लिए खेती और कटाई के दौरान सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना और कपड़ा उद्योग के लिए कठोर गुणवत्ता नियंत्रण और सफाई प्रक्रियाओं को लागू करना महत्वपूर्ण है। ऐसा करने से कपास को अधिक टिकाऊ और मूल्यवान संसाधन में बदला जा सकता है।

जिनर को चाहिये को वह गठान के पॅकिंग पर विशेष द्यान देवे. पोलीस्टर धागे से निर्मित खोल इस्तेमाल न करते हुये शुद्ध कॉटन से निर्मित खोल का इस्तेमाल करे.

एक जिनर को मांग बढ़ने के लिए उसकी क़्वालिटी पर विशेष ध्यान देना जरुरी है, तो ही हम अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में माँग बढ़ा सकते है और कॉटन का भविष्य कॉटन की मांग पर निर्भर करता है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 21.10.2023

ICE COTTON			
MONTH	13.10.23	20.10.23	WEEKLY CHANGE
DEC	86.06	82.4	-3.66
MARCH	87.77	84.53	-3.24
MAY	88.88	85.68	-3.2
MCX (COTTON)			
NOV	59100	58400	-700
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1646	1604	-42
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2803	2733	-70
JAN	2776	2705	-71
FEB	2750	2706	-44
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.26	83.12	-0.14
PAK (Pakistani Rupee)	280.579	278.405	-2.174
CNY (Chinese yuan)	7.30474	7.29646	-0.00828
BRAZIL (Real)	5.04981	5.30443	0.25462
AUSTRALIAN Dollar	1.59036	1.58371	-0.00665
MALAYSIAN RINGGITS	4.72798	4.7679	0.03992
COTLOOK "A" INDEX	95.25	94.95	-0.3
BRAZIL COTTON INDEX	80.15	79.68	-0.47
USDA SPOT RATE	81.38	77.11	-4.27
MCX SPOT RATE	58340	57780	-560
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16600	16000	-600
GOLD ($)	1945.90	1993.10	47.2
SILVER ($)	22.895	23.532	0.637
CRUDE ($)	87.72	88.29	0.57

अक्टूबर माह के तीसरे सप्ताह इंटरनेशल कॉटन मार्केट में गिरावट देखने को मिली |

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए कॉटन के भाव क्रमशः 3.96 , 3.24 और 3.20 सेंट तक गिरे। भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। नवंबर माह के सौदे के भाव में 700 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट आयी |

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 42 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वही खल के भाव में क्रमश दिसंबर और जनवरी-24 माह में 70 और 71 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में 0.30 सेंट की गिरावट आयी, यूएसडीए स्पॉट रेट 4.27 सेंट गिरा और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 560 रुपय प्रति कैंडी की गिरावट हुई, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 0.47 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 600 रुपए तक भाव घटे।

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	377.7	383.65	356.85	0.12%
अरविद लिमिटेड	189.3	194.55	182.75	2.49%
वेलसपन इंडिया	138.05	140.05	126.65	7.73%
नितिन स्पिनर्स	287	302	280.45	-2.38%
रेमण्ड	1774.9	1830.35	1754.05	-1.12%
अक्षिता कॉटन	28.57	29.3	26.5	6.49%

16 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह उतार- चढ़ाव रहा. इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट बढ़ा जबकि कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में निचे गिर गया. आइए जानते है बीएसेई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही परफॉमेंस।

ब्राजील अमेरिकी कपास बाजार के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है

ब्राजील की फसल में 800,000 गांठ की वृद्धि के आधार पर विश्व उत्पादन में थोड़ी वृद्धि हुई, लेकिन उच्च गुणवत्ता वाली ऑस्ट्रेलियाई फसल में कमी भी परिलक्षित हुई।

न्यूयॉर्क आईसीई दिसंबर अनुबंध, हालांकि सप्ताह में थोड़ा कम था, तेजी के साथ बंद हुआ।

यूएसडीए ने विश्व उत्पादन में 200,000 गांठों की वृद्धि की, विश्व खपत में 100,000 गांठों से कम की कमी की, लेकिन 20+ वर्ष की अवधि में अपने ब्राजीलियाई डेटा बेस को समायोजित करके विश्व कैरीओवर में लगभग 10 मिलियन गांठों की कमी की। उस समायोजन से पहले, ब्राज़ीलियाई स्टॉक लगभग 15 मिलियन गांठ के स्तर तक बढ़ गया था - जो बाज़ार के अनुमान से कहीं अधिक था। इसका परिणाम यह हुआ कि ब्राज़ीलियाई और विश्व कैरीओवर में लगभग 10 मिलियन गांठ की कमी आई। ब्राजीलियाई कैरीओवर का अनुमान 5 मिलियन गांठ और विश्व कैरीओवर का 80 मिलियन था।

रिपोर्ट में यह भी दिखाया गया है कि अमेरिकी उत्पादन में 12.8 मिलियन गांठ की कमी आई है और अमेरिकी कैरीओवर 2.8 मिलियन गांठ तक कम हो गया है। अंतिम अमेरिकी फसल 200,000 गांठ से भी कम हो सकती है।

डेटा विश्व कपास व्यापार की ऐतिहासिक संरचना में एक खतरनाक बदलाव को दर्शाता है क्योंकि ब्राजील अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जिसने उस स्थान पर अमेरिका की जगह ले ली है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अब यह निर्यात बाजार में ब्राजील की हिस्सेदारी को अनिवार्य रूप से अमेरिका के बराबर रखता है। निर्यात बाजार में अमेरिकी प्रभुत्व को पहले कभी चुनौती नहीं दी गई थी, लेकिन अब ब्राजील ऐतिहासिक दरवाजे पर है। अमेरिका को मौसम की मार से लगातार दो फसलों का नुकसान हुआ है, जिससे प्रतिस्पर्धियों को अमेरिका से महत्वपूर्ण विश्व व्यापार हिस्सेदारी लेने का मौका मिला है।

उस रिपोर्ट का समर्थन 5 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के लिए अमेरिकी निर्यात बिक्री रिपोर्ट थी, जिसमें केवल 104,000 गांठों के शिपमेंट के साथ केवल 43,400 गांठों की शुद्ध निर्यात बिक्री का संकेत दिया गया था। सप्ताह में केवल नौ देशों ने अमेरिकी कपास खरीदी, क्योंकि अन्य देशों - विशेष रूप से ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया - ने अमेरिका की तुलना में बाजार में कपास को अधिक प्रभावी ढंग से बेचा।

अमेरिकी कपास उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण समस्या यह है कि मिलें गैर-अमेरिकी कपास की कताई से बहुत परिचित हो रही हैं और यह पता लगा रही हैं कि यह उनके संबंधित परिचालन के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य हो सकता है। व्यापारियों की रिपोर्ट है कि हालांकि कपास की आवाजाही धीमी है, वे अमेरिकी कपास की तुलना में अधिक गैर-अमेरिकी कपास बेच सकते हैं। अमेरिका ने अपनी प्रचारात्मक श्रेष्ठता खो दी है। कुछ लोग दावा करेंगे कि यह मौसम की वजह से कम हुई फसल के कारण हुआ है।

उत्पादकों को आगाह किया जाता है कि अमेरिकी फसल की धीमी गति ने यह वास्तविकता स्थापित कर दी है कि कैरीओवर स्टॉक की एक बड़ी माला ऋण कार्यक्रम में चली जाएगी। इसके अलावा, यदि इतिहास निर्णायक है, तो अमेरिकी उत्पादक कपास को भंडारण में रखेंगे, भंडारण लागत का भुगतान करेंगे, और वर्ष के अंत में उच्च कीमत की उम्मीद करेंगे। कमजोर मांग और अमेरिकी बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के कारण इस वर्ष यह परिदृश्य एक महत्वपूर्ण वित्तीय जाल बन गया है।

हमने पिछले कई हफ्तों में टिप्पणी की है कि उत्पादकों को कटाई के समय अपनी फसल बेचने और कॉल विकल्प खरीदने के लिए तैयार रहना चाहिए। इस रणनीति से भंडारण लागत से बचा जा सकेगा. यह एक बाज़ार तथ्य है कि कोई - कोई संस्था, कोई फर्म, कोई कंपनी - भंडारण के लिए भुगतान करेगी। उम्मीद है, उत्पादक, अपने कार्यों से, इस वर्ष उस लागत को व्यापारिक उद्योग पर डाल देगा।

फिर भी, मैं 83 सेंट से नीचे गिरने की तुलना में 90 सेंट तोड़ने में अधिक सहज महसूस करता हूं। या तो बहुत कठिन होगा. उत्पादकों को 87.50 और उससे अधिक दाम देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 84 सेंट पर समर्थन बहुत, बहुत मजबूत बना हुआ है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

खराब बारिश से दलहन, तिलहन और कपास के उत्पादन पर असर पड़ेगा

खेती के क्षेत्र में सबसे बड़ी गिरावट दालों में 0.54 मिलियन हेक्टेयर, इसके बाद तिलहन में 0.33 मिलियन हेक्टेयर और कपास में 0.41 मिलियन हेक्टेयर देखी गई। एक विश्लेषक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के उत्तर पूर्व और दक्षिण में मानसून की कमी से इन क्षेत्रों में दलहन, तिलहन, कपास और रागी जैसे मोटे अनाज जैसी फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की संभावना है।

पंजाब: मालवा में कपास उत्पादकों के लिए बारिश बड़ी चिंता

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि खराब मौसम से कपास की फसल को अधिक नुकसान होने की संभावना है, जहां बड़े क्षेत्र में दूसरी कटाई का काम चल रहा है सोमवार सुबह दक्षिण-पश्चिम पंजाब के अधिकांश हिस्सों में तेज हवा के साथ बारिश हुई, जिससे खरीफ फसलों की कटाई और खरीद में देरी की चिंता बढ़ गई है।

टीएनएयू का कहना है कि कपास की कीमतें एमएसपी से ऊपर रहेंगी

इस साल अक्टूबर-नवंबर के दौरान अच्छी गुणवत्ता वाले कपास की कीमतें लगभग ₹6,800-7,000 प्रति क्विंटल रहने की संभावना है। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (TNAU) के डोमेस्टिक एक्सपोर्ट एंड मार्केटिंग इंटेलिजेंस सेल (DEMIC) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, चालू सीजन के दौरान बोई गई कपास की जनवरी-फरवरी 2024 के दौरान ₹7,100 प्राप्त होगी।

भारत से चीन को सूती धागे का निर्यात बढ़ गया है

इतिहास के सबसे बड़े आयातकों में से एक, चीन को भारत का सूती धागा निर्यात 2022 तक लगातार घट रहा है, जिसमें बांग्लादेश अग्रणी है। हालाँकि, 2023 तक स्थिति में नाटकीय उलटफेर हो गया है। भारत के नवीनतम सूती धागे के शिपमेंट डेटा से पता चलता है कि जनवरी से जुलाई 2023 तक, भारत से चीन के सूती धागे के आयात में 411.12% की वृद्धि हुई, जिसका मूल्य 440.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 86.26 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

कपड़ा मंत्री तिरुपुर निटवेअर क्षेत्र के मुद्दों को संबोधित करेंगे।

तिरुपुर स्थित परिधान निर्माताओं के एक प्रमुख व्यापार निकाय, तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (टीईए) के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और तिरुपुर निटवेअर क्षेत्र के मुद्दों को संबोधित करने का आग्रह किया। टीईए के अध्यक्ष केएम सुब्रमण्यन और अन्य निर्यातकों ने पीएम मित्र पार्क के विकास में तेजी लाने पर जोर दिया क्योंकि तिरुपुर में 50 निर्यात इकाइयां पार्क में कारखाने स्थापित करने में रुचि रखती हैं।

कॉटन फिजिकल मार्केट अक्टूबर माह के तीसरे सप्ताह भी ज्यादा आवक होने से कॉटन के भाव में मंदी का माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए मंदी वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ झोन में गिरावट देखी गई ।

नार्थ झोन में पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान में क्रमशः 125, 175 और 150 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखी गई ।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश में 800 और महाराष्ट्र राज्य में 700 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली, गुजरात 1300 रुपय प्रति कैंडी भाव गिरे।

साउथ झोन मार्केट में भी गिरावट जारी रही। सबसे ज्यादा तेलंगाना में 1500 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट देखी जबकि ओडिशा में 900 रुपये की गिरावट हुई। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में 1000 और 500 रुपय प्रति कैंडी की गिरावट आयी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 21.10.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	16.10.23		21.10.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,825	5,900	5,650	5,775	-125
HARYANA	27.5/28	5,800	5,800	5,625	5,625	-175
UPER RAJASTHAN	28	5,700	5,800	5,500	5,650	-150
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	58,000	58,300	57,300	57,500	-800
MADHYA PRADESH	29	57,800	58,300	56,500	57,000	-1,300
MAHARASHTRA	29 vid.	57,500	58,500	57,000	57,800	-700
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE (OLD)						
ODISHA	29.5+	60,300	60,400	59,400	59,500	-900
KARNATAKA	29.5/30 mm	58,500	59,000	57,500	58,000	-1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	58,000	58,500	57,500	58,000	-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,200	59,500	57,000	58,000	-1,500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 21 October 2023 | Volume - 68

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Brazil Knocking on the U.S. Cotton Market Door

GOLD : 60725
SILVER : 72915
CRUDE OIL : 7357

Good quality has direct impact on prices, demand, consumption, export and utility of cotton.

On the above topic during conversation with educated and experienced renowned ginner Mr. Rohit Soni, many aspects of cotton industries were discussed. Rohit ji has been running the ginning factory for many years. In Maharashtra, there are two units in Gevrai, one unit each in Selu and Gangakhed. Their ginning cotton is supplied to the mills of South and North and is also exported.

It was further told that the demand for man-made fiber is increasing in the international market, due to which the demand for natural fiber (cotton) is decreasing. Demand for man-made fibers is increasing due to their low cost and long life. Efforts should be made to increase the trend of natural fibers in the coming times. In other countries, demand for Brazilian cotton, Australian cotton and West African cotton is good because that cotton is contamination-controlled. To maintain our place in the international market, we will have to focus on contamination-controlled cotton.

Due to short export processing time, there is demand for Indian cotton from neighboring countries. To increase competitive advantage, it is important to pay special attention to cotton quality. Indian cotton is of high quality but due to excessive contamination, the cost of production increases for yarn manufacturers.

Contamination-controlled cotton refers to cotton that is free from impurities, foreign substances, hair, thread, pouch, plastic and other pollutants, which provides many benefits to both the environment and consumers. Here are some of the key benefits:

Better Quality: Contamination-controlled cotton is of higher quality as it is free from foreign materials such as leaves, stems and other debris. This results in softer, more comfortable and more durable garments.

Healthier for consumers: Garments made from contamination-controlled cotton are of higher quality.

Controlling contamination from the initial stage:onwards will benefit all stakeholders in the entire textile chain. Making it a safer and more comfortable option for consumers, especially those with sensitive skin.

Better for farmers and workers: Reducing contamination means cotton can be harvested with fewer impurities, making it easier and more efficient for farm workers.

Increases product longevity: Higher quality cotton with fewer impurities has better durability and longer lifespan, reducing the need for frequent replacement and ultimately reducing waste.

Economic benefits: Higher quality cotton can often command higher prices in the market, which benefits both cotton farmers and manufacturers.

Mr. Rohit Soni
Prasad Cotton Industries Private Limited
Gevrai, Beed, Maharashtra

Consumer Satisfaction: Contamination-controlled cotton products are generally preferred by consumers due to their comfort, quality and safety. To achieve contamination-controlled cotton, it is important for cotton farmers and the textile industry to adopt best practices during cultivation and harvesting. It is important to implement rigorous quality control and cleaning procedures. Doing so can turn cotton into a more sustainable and valuable resource.

The ginner should pay special attention to the packing of the bale. Instead of using a shell made of polyester thread, use a shell made of pure cotton.

To increase the demand, a ginner needs to pay special attention to its quality, only then we can attract the demand in the international market and the future of cotton depends on the demand for cotton.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 21.10.2023			
ICE COTTON			
MONTH	13.10.23	20.10.23	WEEKLY CHANGE
DEC	86.06	82.4	-3.66
MARCH	87.77	84.53	-3.24
MAY	88.88	85.68	-3.2
MCX (COTTON)			
NOV	59100	58400	-700
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1646	1604	-42
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2803	2733	-70
JAN	2776	2705	-71
FEB	2750	2706	-44
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.26	83.12	-0.14
PAK (Pakistani Rupee)	280.579	278.405	-2.174
CNY (Chinese yuan)	7.30474	7.29646	-0.00828
BRAZIL (Real)	5.04981	5.30443	0.25462
AUSTRALIAN Dollar	1.59036	1.58371	-0.00665
MALAYSIAN RINGGITS	4.72798	4.7679	0.03992
COTLOOK "A" INDEX	95.25	94.95	-0.3
BRAZIL COTTON INDEX	80.15	79.68	-0.47
USDA SPOT RATE	81.38	77.11	-4.27
MCX SPOT RATE	58340	57780	-560
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16600	16000	-600
GOLD ($)	1945.90	1993.10	47.2
SILVER ($)	22.895	23.532	0.637
CRUDE ($)	87.72	88.29	0.57

There was a decline in the international cotton market in the third week of October.

Cotton prices for December 23, March 24 and May 24 months on the International Cotton Exchange fell by 3.96, 3.24 and 3.20 cents respectively. A decline was also seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal price for the month of November fell by Rs 700 per candy.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 42 per 20 kg, while the price of Khal increased by Rs 70 and Rs 71 per quintal in the months of December and January-24 respectively.

If we look at the exchange market of other countries, Cotton Look "A" index fell by 0.30 cents, USDA spot rate fell by 4.27 cents and MCX spot rate fell by Rs 560 per candy, while Brazil Cotton Index registered a rise of 0.47 points. Has been done. At Pakistan's KCA spot rate, prices fell by Rs 600 by the end of the week.

This week was a mixed one for stock market investors

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	377.7	383.65	356.85	0.12%
ARVIND LIMITED	189.3	194.55	182.75	2.49%
WELSPUN INDIA	138.05	140.05	126.65	7.73%
NITIN SPINNERS	287	302	280.45	-2.38%
RAYMOND	1774.9	1830.35	1754.05	-1.12%
AXITA COTTON	28.57	29.3	26.5	6.49%

News based on share value of major textile companies between 16 October to 21 October 2023

This week was a volatile week for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the share market of some companies increased while the market cap of some companies fell compared to the previous week. Let us know how the major companies performed on the BSE platform.

Brazil Knocking on the U.S. Cotton Market Door

World production was increased slightly based on an 800,000-bale increase of the Brazilian crop, but also reflected a decrease in the high-quality Australian crop.

The New York ICE December contract, while off slightly on the week, did close on an uptick.

USDA increased world production 200,000 bales, decreased world consumption less than 100,000 bales, but decreased world carryover by some 10 million bales by adjusting its Brazilian data base over a 20+ year period. Prior to that adjustment, Brazilian stocks had risen to a level of some 15 million bales – far more than market estimates. The result was to decrease Brazilian and world carryover some 10 million bales. Brazilian carryover was estimated at 5 million bales and world carryover at 80 million.

The report also showed a decrease in U.S. production down to 12.8 million bales and lowered U.S. carryover to 2.8 million bales. The final U.S. crop may well be even 200,000 bales lower.

The data reflects an alarming change in the historical structure of the world cotton trade as Brazil is now the world's third largest producer, replacing the U.S. in that position. More importantly, it now places Brazil's share of the export market essentially equal to that of the U.S. The U.S. dominance in the export market heretofore has never been challenged, but now Brazil is at the historical doorstep. The U.S. has suffered two consecutive weather-beaten crops, thus allowing competitors to take significant world trade share from the U.S.

Supporting that report was the U.S. export sales report for the week ending Oct. 5 that indicated net export sales of only 43,400 bales of upland with shipment of only 104,000 bales. Only nine countries purchased U.S. cotton on the week, as other countries – notably Brazil and Australia – sold cotton much more effectively in the market compared to the U.S.

A significant problem facing the U.S. cotton industry is the favor that mills are becoming very familiar with spinning non-U.S. cotton and discovering that it may be more price competitive for their respective operations. Merchandisers report that while cotton movement is slow, they can sell more non-U.S. cotton than U.S. cotton. The U.S. has lost its promotional superiority. Some will claim that is caused by the weather-reduced crop.

Growers are cautioned that the slow movement of the U.S. crop has set up the reality that a significant volume of carryover stocks will move to the loan program. Too, if history is a judge, U.S. growers will keep cotton in storage, pay storage costs, and hope for a higher price later in the year. This scenario is set up to be a significant financial trap this year due to the anemic demand and the decline in U.S. market share.

We have commented over the past several weeks that growers should be prepared to sell their crop at harvest and buy call options. This strategy will avoid storage costs. It is a market fact that someone – some entity, some firm, some company – will pay for storage. Hopefully, the grower, by his own actions, will pass that cost to the merchandising industry this year.

Still, I feel more comfortable with breaking 90 cents than falling below 83 cents. Either will be very difficult. Growers are encouraged to price at 87.50 and above. The support at 84 cents remains very, very strong.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Bad rains will affect the production of pulses, oilseeds and cotton.
The biggest decline in cultivated area was seen in pulses by 0.54 million hectares, followed by oilseeds by 0.33 million hectares and cotton by 0.41 million hectares. The lack of monsoon in India's northeast and south is likely to impact the production of crops like pulses, oilseeds, cotton and coarse grains like ragi in these regions, an analyst report said..

Punjab: Rain is a big worry for cotton growers in Malwa.
Agriculture experts say the bad weather is likely to cause more damage to the cotton crop, where second harvesting work is going on in a large area. Rain accompanied by strong winds lashed most parts of south-west Punjab on Monday morning, leading to losses in the kharif crop. Concern about delay in harvesting and purchasing of crops has increased.

TNAU says cotton prices will remain above MSP.
Prices of good quality cotton are likely to be around ₹6,800-7,000 per quintal during October-November this year. According to a survey conducted by the Domestic Export and Marketing Intelligence Cell (DEMIC) of Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), cotton sown during the current season will fetch ₹7,100 during January-February 2024.

Export of cotton yarn from India to China has increased.
India's cotton yarn exports to China, one of the largest importers in history, are set to decline steadily through 2022, with Bangladesh leading the way. However, by 2023 the situation has changed dramatically. India's latest cotton yarn shipment data shows that from January to July 2023, China's cotton yarn imports from India increased by 411.12%, valued at US$440.9 million, compared to the same period last year. was US$86.26 million.

Textiles Minister will address the issues of Tiruppur knitwear sector.
Top officials of Tiruppur Exporters Association (TEA), a major trade body of Tiruppur-based apparel manufacturers, recently met Union Textiles Minister Piyush Goyal and urged him to address the issues of the Tiruppur knitwear sector. TEA President KM Subramanian and other exporters stressed on expediting the development of PM Mitra Park as 50 export units in Tiruppur are interested in setting up factories in the park.

Cotton physical market remained bearish in cotton prices due to excess arrivals in the third week of October.

This week was bearish for the cotton physical market. A decline was seen in North, Central and South zones.

In the North Zone, a decline of Rs 125, 175 and 150 per maund was seen in Punjab, Haryana and Upper Rajasthan respectively.

In the central zone, a fall of Rs 800 per candy was seen in Madhya Pradesh and Rs 700 per candy in Maharashtra, while in Gujarat the price fell by Rs 1300 per candy.

The decline continued in the South Zone market also. Telangana saw the maximum fall of up to Rs 1500 per candy while Odisha saw a fall of Rs 900. It fell by Rs 1000 & 500 per candy in Karnataka and Andhra Pradesh.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 21.10.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	16.10.23		21.10.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,825	5,900	5,650	5,775	-125
HARYANA	27.5/28	5,800	5,800	5,625	5,625	-175
UPER RAJASTHAN	28	5,700	5,800	5,500	5,650	-150
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	58,000	58,300	57,300	57,500	-800
MADHYA PRADESH	29	57,800	58,300	56,500	57,000	-1,300
MAHARASHTRA	29 vid.	57,500	58,500	57,000	57,800	-700
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE (OLD)						
ODISHA	29.5+	60,300	60,400	59,400	59,500	-900
KARNATAKA	29.5/30 mm	58,500	59,000	57,500	58,000	-1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	58,000	58,500	57,500	58,000	-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,200	59,500	57,000	58,000	-1,500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy